3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 4th Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS4011 (MAJOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. 'क' विभागात् सप्तप्रश्नानां 'ख' विभागात् त्रयप्रश्नानां च उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

विभाग:-'क:'

(a) श्रद्धाशब्दस्य संज्ञा प्रदेया। को ज्ञानं लभते?

(b) 'तदात्मानं सृजाम्यहम्'—अत्र 'अहम्' इति पदेन को बोध्यते? स कदा आत्मानं सृजति?

(c) 'स कालेनेह महता योगो नष्ट: परन्तप'—अत्र वक्ता क:? कश्च परन्तप:?

(d) श्रीमद्भगवद्गीतायां कति श्लोका: विद्यन्ते? अस्य ग्रन्थस्य चतुर्थाध्यायस्य नाम किम्?

(e) तमाहु: पण्डितं बुधा:—बुधा: कं पण्डितं किमर्थञ्च ब्रुवते?

(f) कृत्वापि न निबध्यते—क: केन न निबध्यते?

(g) 'एवं परम्पराप्राप्तमिमम्'—अत्र का च परम्परा?

(h) स्वाध्यायज्ञानयज्ञस्य संज्ञा प्रदेया।

(i) 'भक्तोऽसि मे सखा चेति रहस्यं ह्येतदुत्तमम्'—उत्तमं रहस्यं किम्? अत्र सखा शब्देन को बोध्यते?

(j) किं नाम 'अकर्म'?

विभाग:-'ख'

(k) ईशोपनिषद: नामान्तरद्वयम् उल्लिख्यताम्।

(l) ईशोपनिषदि कति मन्त्रा: विद्यन्ते? अस्या उपनिषद: कस्यचित् भाष्यकारस्य नाम लेखनीयम्।

(m) 'ईशोपनिषत्' कस्मिन् वेदे कस्यां संहितायां च प्राप्यते?

(n) 'विद्या' का? का च अविद्या?

(o) 'हिरण्मयेण पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् .....'—'हिरण्मयं पात्रम्' किम्? पुषन् इति पदेन को बोध्यते?

(p) 'न कर्म लिप्यते नरे'—इत्यस्य कोऽर्थः?

2. अधोलिखितेषु यथेच्छं प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयं अवश्यमेव संस्कृतभाषया समाधीयताम्। 5×4=20

(a) अर्थौ लेखनीयः

चातुर्व्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्म्मविभागशः।

तस्य कर्त्तारमपि मां विद्ध्यकर्त्तारमव्ययम्।।

(b) अर्थौ लेखनीयः

असूर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसावृताः।

तांस्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति ये के चात्महनो जनाः।।

(c) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

(d) भावसम्प्रसारणं कुरु—

'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।'

(e) 'न कर्म निवध्नाति धनञ्जय'—धनञ्जयः कः? कर्मशब्देन किं कर्म बोध्यते? कर्माणि कं न निवन्धन्ति?

'न कर्म निवध्नाति धनञ्जय'—धनञ्जय के? कर्म शब्देर द्वारा की बोझानो हयेछे? कर्मसमूह काके बन्धन करे ना?

(f) 'त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति'—कः कथं वा पुनर्जन्म न एति?

'त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति'—के कीभावे आर पुनर्जन्म प्राप्त हन ना?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रत्येकं विभागादेकं प्रश्नं स्वीकृत्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलির মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে একটি করে মোট দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

'क' विभागः

(a) श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण निष्कामकर्मयोगः कः? निष्कामकर्मयोगस्य स्वरूपं विस्तृतरूपेण आलोच्यताम्।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতানুসারে নিষ্কামকর্মযোগ কী? নিষ্কামকর্মযোগের স্বরূপ বিস্তৃতরূপে আলোচনা করো।

(b) 'श्रेयान् द्रव्यमयाद्यज्ञाज् ज्ञानयज्ञः परन्तप'—ज्ञानयज्ञस्य स्वरूपं विशदेन प्रतिपाद्यताम्।

'श्रेयान् द्रव्यमयाद्यज्ञाज् ज्ञानयज्ञः परन्तप'—জ্ঞানযজ্ঞের স্বরূপ বিশদরূপে প্রতিপাদন করো।

'ख' विभागः

(c) ईशोपनिषदि आम्नातमात्म स्वरूपं यथायथं पर्यालोच्यताम्।

ঈশোপনিষদ অবলম্বনে আত্মার স্বরূপ যথাযথরূপে আলোচনা করো।

(d) ईशोपनिषदमवलम्ब्य सम्भूतेः असम्भूतेश्च स्वरूपम् आलोच्यताम्।

ঈশোপনিষদ্ অবলম্বনে সম্ভূতি এবং অসম্ভূতির স্বরূপ আলোচনা করো।

---

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 4th Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS4012 (MAJOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया *प्रश्नत्रयं* स्वीकृत्य दशप्रश्नानाम् उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधीयताम्। 2×10=20

विभागः-'क'

(a) काव्यादर्शः इति ग्रन्थस्य द्वयोः टीकयोः टीकाकारयोः च नामानि लिख्यन्ताम्।

(b) ''इह शिष्यनुशिष्यनां शिष्यनामपि सर्वथा''—अत्र 'शिष्यनुशिष्यनाम्' पदेन आलंकारिकः कमर्थं प्रतिप्रादयितुमिच्छति?

(c) ''मानसे रमतां नित्यं सर्वशुक्ला सरस्वती''—अत्र 'मानसे' 'सर्वशुक्ला' च पदद्वयस्य निहितार्थ आलोच्यताम्।

(d) दण्डिमतानुसारेण श्लेषगुणस्य अर्थः लिख्यताम्।

(e) चम्पूकाव्यस्य लक्षणं दण्डिमतानुसारेण लिख्यताम्।

(f) 'गौर्गौः कामदुघा' इत्यत्र गोरिति पदद्वयस्य पृथक् अर्थद्वयमुल्लिख्य तयोः तात्पर्यम् उल्लिख्यताम्।

विभागः-'ख'

(g) छन्दोमञ्जरी केन प्रणीता? छन्दः शब्दस्य का व्युत्पत्तिः?

(h) वृत्तस्य लक्षणं किम्? वृत्तं च कतिविधम्?

(i) यतिः का?

(j) इन्द्रवज्रा-छन्दसः लक्षणं लिख्यताम्।

(k) संस्कृतच्छन्दसि गूरूस्वराः के?

विभागः-'ग'

(l) साहित्यदर्पणस्य कस्यापि टीकाकारस्य नाम, तस्यापि टीकायाः नाम लिख्यताम्।

(m) अर्थान्तरन्यासः इत्यस्य कोऽर्थ?

Please Turn Over

(n) उपमानोपमेययोः को भेदः?

(o) 'दीपक'-अलंकारस्य लक्षणं दीयताम्।

(p) रूपकालंकारस्य लक्षणनिर्देशपूर्वकम् उदाहरणं प्रदीयताम्।

2. अधःसंस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु यत्किञ्चन *द्वितयं* संस्कृतभाषया लिख्यताम्। 5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) ''तत् कथाख्यायिकेत्येका जातिः संज्ञाद्वयाङ्किता''—व्याख्यायताम्।

(b) कान्तं सर्वजगत्कान्त—उक्तिरियं उदाहरणसहयोगेन आलोच्यताम्।

(c) चरणविश्लेषणपूर्वकम् छन्दो निर्णयः कर्त्तव्यः

চরণ বিশ্লেষণ করে ছন্দ নির্ণয় করো ঃ

''भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैः''

(d) यथेच्छमेकस्य लक्षणनिर्देशपूर्वकं सोदाहरणं संज्ञा प्रदेयाः

লক্ষণ নির্দেশ করে উদাহরণ-সহ সংজ্ঞা লেখো (যেকোনো একটি) ঃ

मालिनी, अनुष्टुप्

(e) विश्लेषणपुरःसरम् अलंकारो निर्णीयताम्—

অলংকার নির্ণয় করো—

अविदितगुणापि सत्कविभणितिः कर्णेषु वमति मधुधाराम्।
अनधिगतपरिमला हि हरति दृशं मालतीमाला।।

(f) उपमोत्प्रेक्षयोः भेदाभेदौ निरूपय।

উপমা ও উৎপ্রেক্ষা অলংকারের ভেদ ও অভেদ নিরূপণ করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रत्येकं विभागात् *एकं* प्रश्नं स्वीकृत्य *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে *একটি* করে মোট *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

विभागः-'क'

(a) ''शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्नापदावली''—उक्तिरियं दण्डिमतानुसारेण आलोच्यताम्।

''শরীরং তাবদিষ্টার্থব্যবচ্ছিন্নাপদাবলী''—উক্তিটি দণ্ডীর মতানুসারে আলোচনা করো।

(b) ''नैसर्गिकी च प्रतिभाश्रुतं च बहुनिर्मलम्।
अमन्दश्चाभियोगोऽस्याः कारणं काव्यसम्पदः।।''—उक्तिरियं दण्डिमतानुसारेण व्याख्यायताम्।

''নৈসর্গিকী চ প্রতিভাশ্রুতং চ বহুনির্মলম্।
অমন্দশ্চাভিযোগোঽস্যাঃ কারণং কাব্যসম্পদঃ।।''—উক্তিটি দণ্ডীর মতানুসারে ব্যাখ্যা করো।

विभागः-'ख'

(c) बसन्ततिलकमन्दाक्रान्तयोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

বসন্ততিলক ও মন্দাক্রান্তা ছন্দের লক্ষণ উদাহরণ-সহ আলোচনা করো।

(d) श्लेषातिशयोक्त्योः अलंकारयोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

শ্লেষ ও অতিশয়োক্তি অলংকারের লক্ষণ ও উদাহরণ আলোচনা করো।

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 4th Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS4013 (MAJOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांचिद् *दशानां* प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च प्रदेयम्।। 2×10=20

(a) मनुसंहिताया: सप्तमाध्याये के विषया: आलोचिता:?

(b) क्षत्रियस्य किं कर्तव्यम्?

(c) 'षाड्गूण्य' शब्दस्य कोऽर्थ:?

(d) उपायचतुष्टयविषये टीका प्रदेया।

(e) 'गूहेत् कुर्म इवाङ्गानि'—निर्देशस्यास्य किं तात्पर्यम्?

(f) 'तौर्यत्रिकम्' इति शब्दस्य कोऽर्थ:?

(g) राज्ञ: कानि कर्तव्यानि मौलिकानि?

(h) 'बकवच्चिन्तयेदर्थान्'—तात्पर्यं किम्?

(i) अर्थशास्त्रे अर्थशब्दस्य कोऽर्थ:?

(j) अर्थशास्त्रानुसारं तुष्यतुष्टयो: लक्षणं प्रतिपाद्यताम्।

(k) कदा कौटिल्यस्य आविर्भाव: समजनि? स: केन राजवंशेन सह यूक्त आसीत्?

(l) स्नातका: कति विधा: के च ते?

(m) उपाकर्म कदा कुर्यात्?

(n) याज्ञवल्क्येन कियन्तो धर्मशास्त्रकारा: उल्लिखिता:? तेषु प्रथमतया कस्य नाम गृहीतम्?

(o) वसिष्ठधर्मसूत्रे कियन्त: अध्याया: सन्ति? तत्र ब्राह्मणस्यलक्षणं किम् उक्तम्?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांचिद *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयस्योत्तरं* संस्कृतभाषया करणीयम्। 5×4=20

(a) प्रसङ्गोल्लेखपूर्वकं व्याख्यायताम्।

প্রসঙ্গ উল্লেখ করে ব্যাখ্যা করো।

बालोऽपि नावमन्तव्यो मनुष्य इति भूमिपः
महती देवता ह्यषा नररूपेण तिष्ठति।।

(b) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।

न संशयं प्रपद्येत नाकस्मादप्रियं वदेत्
नाहितं नानृतं चैव न स्तेनः स्यान्नवार्धूषी

(c) दूतप्रणिधिः कस्मिन् अधिकरणे कस्मिन अध्याये चोपलभ्यते? अधिकरणस्य नाम किम्? 'दूतप्रणिधिः' शब्दः व्याख्यायताम्।

'दूतप्रणिधिः' অর্থশাস্ত্রের কোন অধিকরণে ও কোন অধ্যায়ে আছে? অধিকরণটির নাম কী? 'दूतप्रणिधिः' শব্দটি ব্যাখ্যা করো।

(d) पाठ्यांशमनुसृत्य दण्डस्य स्वरूपं लिख्यताम्।

পাঠ্যাংশের অনুসরণে দণ্ডের স্বরূপ সম্পর্কে আলোচনা করো।

(e) याज्ञवल्क्यानुसारेण उत्सर्जन विधिः आलोच्यताम्।

যাজ্ঞবল্ক্যমতানুসারে উৎসর্জন বিধি বিষয়ে আলোচনা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु प्रत्येकात् विभागात् प्रश्न*मेकं* स्वीकृत्य प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে *একটি* করে মোট *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

'क' विभागः

(a) व्यसनशब्दस्य कोऽर्थः? व्यसन कतिविधः? कामजव्यसनं वर्णयतु।

ব্যসন শব্দের অর্থ কী? ব্যসন কত প্রকার? কামজব্যসনের বর্ণনা করো।

(b) का भवति अमात्यसम्पत्? अमात्यसम्पदानुसारं कौटिल्येन दूतस्य ये खलु विभागाः स्वीकृताः सलक्षणं तेषामालोचनं क्रियताम्।

'अमात्यसम्पत्' কী? 'अमात्यसम्पत्' অনুসারে কৌটিল্য দূতের যে বিভাগ স্বীকার করেছেন সলক্ষণ তাদের আলোচনা করো।

'ख' विभागः

(c) याज्ञवल्क्यसंहितायाः वैशिष्ट्यं सामाजिकगुरुत्वञ्च विवृणुत।

যাজ্ঞবল্ক্য সংহিতার বৈশিষ্ট্য ও সামাজিক গুরুত্ব বর্ণনা করো।

(d) याज्ञवल्क्यसंहितामनुसृत्य वेदाध्ययनस्य विहितकालः निषिद्धकालश्च आलोच्येताम्।

যাজ্ঞবল্ক্যসংহিতা অনুসরণে বেদ অধ্যয়নের সময়কাল ও নিষিদ্ধ সময় সম্পর্কে আলোচনা করো।

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 4th Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS4021 (MINOR)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधःस्थितेषु विभागेषु प्रत्येकात् विभागात् न्यूनतया *प्रश्नत्रयं* स्वीकृत्य *दशप्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य* प्रदेयम्। 2×10=20

'क' विभागः

(a) गल्पसाहित्यस्य उद्भवकारणं किम्?

(b) 'पञ्चतन्त्रम्' केन विरचितम्? किमर्थं सः ग्रन्थमिदं रचितवान्?

(c) नारायणशर्मविरचितस्य गल्पग्रन्थस्य नाम किम्? ग्रन्थस्य कियन्तः विभागाः सन्ति? नामानि लिख्यन्ताम्।

(d) 'वेतालपञ्चविंशतिः' इति ग्रन्थे कियन्ति गल्पानि सन्ति? गल्पानां वक्ता कः?

(e) 'काकोलूकीयम्' इति पदस्य कोऽर्थः? पञ्चतन्त्रस्य अस्मिन् तन्त्रे कति गल्पानि सन्ति?

'ख' विभागः

(f) 'ब्रह्मदत्तकर्कटकथा' इति कथायां ब्राह्मणस्य नाम किम्? सः कुत्र प्रतिवसति स्म?

(g) ब्राह्मणः कुत्र प्रसुप्तः अभवत्? प्रबुद्धः सन् सः किमपश्यत्?

(h) किं नाम काञ्चीनगर्य्यां राज्ञः? तत्र कति चौराः कैः धृताः?

(i) ''मयि मृते काचन महती विद्या लोपं यास्यसि''—कोऽत्र वक्ता? का आसीत् सा महती विद्या?

(j) 'शूद्रकवीरवरकथा' इत्यस्य उत्सः कः? ग्रन्थोऽयं केन विरचितः?

'ग' विभागः

(k) नीतिशतकस्य प्रणेता कः? अस्य काव्यस्य श्लोकसंख्या कति?

(l) नीतिशतकस्य मङ्गलाचरणश्लोके कस्य स्तुतिः विद्यते? ग्रन्थकारेण कथं मङ्गलाचरणं कृतम्?

(m) ''न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्''—कः कं प्रति उक्तिमिमां कृतवान्? अस्य वक्तव्यस्य मर्मार्थः लिख्यताम्।

(n) भर्तृहरिणा पशुरूपेण कः उक्तः? सः कीदृशः पशुः भवति?

(o) ''हर्तुर्याति न गोचरम्''—कीदृशं धनं हर्तुः गोचरं न याति? केनोपायेन तद् धनं परां वृद्धिं प्राप्नोति?

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु *प्रश्नचतुष्टयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं संस्कृतभाषया करणीयम्। 5×4=20

(a) 'सिंहासनद्वात्रिंशिका' केन विरचिता? अस्य ग्रन्थस्य वैशिष्ट्यानि लिख्यन्ताम्।
সিংহাসনদ্বাত্রিংশিকা কে লিখেছেন? এই গ্রন্থের বৈশিষ্ট্য লেখো।

(b) कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टीका लेख्या :—
যেকোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ—
बृहत्कथा, वेतालपञ्चविंशति, लब्धप्रणाशः

(c) 'शूद्रकवीरवरकथा' इति कथायाः विषयवस्तु संक्षेपेण आलोच्यताम्।
'শূদ্রকবীরবরকথা'—এই গল্পের বিষয়বস্তু সংক্ষেপে লেখো।

(d) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम् :—
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো —

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति।।

(e) ''उपाये सफले रक्षा निष्फले नाधिकं मृतेः''—व्याख्यायताम्।
''উপায়ে সফলে রক্ষা নিষ্ফলে নাধিকং মৃতেঃ''—ব্যাখ্যা করো।

(f) अर्थौ लिख्यताम्-
অর্থ লেখো—

येषां न विद्या न तपो न दानं न ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भूवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरति।।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

(a) गल्पसाहित्यं किम्? संस्कृतगल्पसाहित्यमवलम्ब्य प्रबन्धमेकं रचयत।
গল্পসাহিত্য কাকে বলে? সংস্কৃত গল্পসাহিত্যকে অবলম্বন করে একটি প্রবন্ধ রচনা করো।

(b) 'हासविद्यकथा' इति कथायां चतुर्थः चौरः कथं मृत्युंजयं कृतवान्? तदनन्तरं राजा तेन सह किं कृतवान्?
'হাসবিদ্যকথা' গল্পে চতুর্থ চোরটি কীভাবে মৃত্যুকে জয় করেছিল? তারপর রাজা তার সঙ্গে কী করেছিলেন?

(c) ''सर्पव्यापादनाद् रक्षितः''—अत्र कः कथं सर्पव्यापादनाद् रक्षितः, पाठ्यांशमवलम्ब्य आलोच्यताम्।
''সর্পব্যাপাদনাদ্ রক্ষিতঃ''—কে কীভাবে সর্পদংশন থেকে রক্ষা পেয়েছিল তা পাঠ্যাংশ অবলম্বনে লেখো।

(d) 'शतकत्रयम्' इति पदेन किं बोध्यते? नीतिशतकम् अवलम्ब्य मूर्खजनस्य अवस्थांपरिणतिं च विशदयतु।
'শতকত্রয়' পদের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে? নীতিশতক অবলম্বন করে মূর্খজনের অবস্থা ও পরিণতি বর্ণনা করো।